जयपुर यात्रा

(पत्र)

7

बी-15, साकेत नगर,

जयपुर (राजस्थान)

15-04-20______

प्रिय शिल्पा,

स्नेह नमस्ते।

मैं इस समय जयपुर में हूँ। छुट्टियाँ होते ही मम्मी-पापा ने जयपुर घूमने का कार्यक्रम बना लिया। मैं तुमसे मिल भी न सकी।

अब तक मैं लगभग पूरा जयपुर घूम चुकी हूँ। तुम्हें यहाँ के बारे में जानने की *जिज्ञासा* होगी, तो सुनो—

जयपुर संसार के सुंदर नगरों में से एक है। इसे राजा जयसिंह ने बसाया था। उसी के नाम पर ही इस नगर का नाम जयपुर पड़ा। यह राजस्थान की राजधानी है। इस नगर के तीनों ओर ऊँची पहाड़ियाँ हैं। नगर के चारों ओर ऊँची दीवारें हैं। इस दीवार में अठारह बड़े-बड़े दरवाजे हैं। इन्हीं दरवाजों से लोग नगर में आते-जाते हैं। यहाँ की सड़के बहुत चौड़ी हैं।

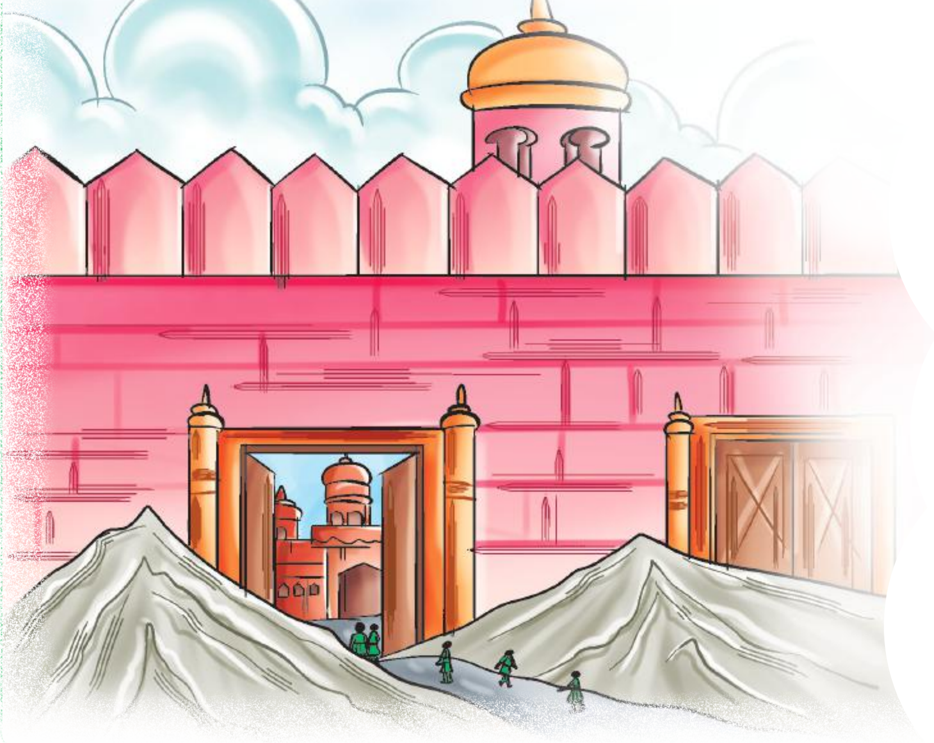

जयपुर की बाहरी दीवार और सभी *इमारतें* गुलाबी रंग के पेंट से पुती हैं, इसलिए इस शहर को गुलाबी नगर भी कहा जाता है।

कल हम लोग यहाँ का राजमहल देखने गए थे। यह बहुत विशाल है और इसकी सुंदरता का वर्णन तो मैं कर ही नहीं पाऊँगी। इस महल के एक हिस्से में *संग्रहालय* है। इसमें कई *पीढ़ियों* के राजाओं के वस्त्र, *आभूषण*, अस्त्र-शस्त्र आदि रखे हैं। प्राचीन मूल्यवान पुस्तकों की *हस्तलिखित* प्रतियों भी यहाँ रखी हैं। यहाँ का 'हवा महल' तो सारे संसार में *प्रसिद्ध* है।

कल हम आमेर का किला देखने जाएँगे। ये राजा जयसिंह की पुरानी राजधानी थी, जो एक पहाड़ी पर बसा हुआ है।

हमने यहाँ का जंतर-मंतर भी देखा, जो दिल्ली के जंतर-मंतर से बड़ा है।

यहाँ के बाजारों की शोभा तो *न्यारी* है। सभी तरह के सामान यहाँ उपलब्ध हैं। चुँदरी-छपाई के *शोख रंग* के वस्त्र यहाँ की विशेषता है। जौहरी बाजार, सोने-चाँदी के जेवर और रंग-बिरंगे पत्थरों के *जड़ाऊ* आभूषणों से भरा पड़ा है। मैंने अपने और तुम्हारे लिए कुछ चूड़ियाँ खरीद ली हैं।

यदि तुम हमारे साथ होती, तो बड़ा मजा आता। मैं जल्दी वापस आऊँगी। चाचा जी व चाची जी को मेरा प्रणाम कहना। अपने भैया को भी मेरी नमस्ते कहना।

-तुम्हारी सहेली

स्नेहा

शब्द-भंडार

जिज्ञासा — जानने की इच्छा *(eagerness)*, इमारत — भवन *(building)*, पीढ़ियाँ — वंश *(generation)*, संग्रहालय — जहाँ पुरानी वस्तुएँ रखी जाती हैं *(museum)*, आभूषण — गहने *(jewellery)*, हस्तलिखित — हाथ से लिखी हुई *(hand written)*, प्रसिद्ध — मशहूर *(famous)*, न्यारी — अनोखी *(rare)*, उपलब्ध — मिल जाना *(available)*, शोख रंग — चटकीले रंग *(bright colors)*, जड़ाऊ — कीमती पत्थर/नग लगाकर बने गहने *(studded)*।

अभ्यास

मौखिक

1. इन शब्दों को पढ़कर सुनाइए–

कार्यक्रम	जिज्ञासा	पहाड़ियाँ	इमारतें	प्राचीन
छुट्टियाँ	संग्रहालय	राजधानी	आभूषण	हस्तलिखित

2. निम्नलिखित प्रश्नों के मौखिक उत्तर दीजिए–

(क) स्नेहा छुट्टियों में कहाँ घूमने गई?

(ख) जयपुर को किस नाम से जाना जाता है?

(ग) जयपुर किस राज्य में स्थित है?

लिखित

1. सही उत्तर पर (✓) का निशान लगाइए–

(क) जयपुर को बसाया था-

☐ राजा उदयसिंह ने ☐ राजा मानसिंह ने ☐ राजा जयसिंह ने

(ख) शहर की बाहरी दीवार में दरवाजे हैं-

☐ अट्ठाईस ☐ अठारह ☐ आठ

(ग) जौहरी बाजार की शोभा है-

☐ पीतल की चूड़ियों से ☐ नकली आभूषणों से

☐ सोने-चाँदी के आभूषणों से

(घ) जयसिंह की पुरानी राजधानी है-

☐ राजमहल ☐ हवामहल ☐ आमेर का किला

2. खाली स्थान में 'है' या 'हैं' शब्द का प्रयोग कर वाक्यों को पूरा कीजिए–

(क) जयपुर राजस्थान की राजधानी ....

(ख) इसके चारों ओर ऊँची-ऊँची दीवारें ....

(ग) हवामहल सारे संसार में प्रसिद्ध ....

(घ) जयपुर को गुलाबी नगर भी कहा जाता ....

(ङ) जयपुर में सुंदर-सुंदर महल ....

3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

(क) प्रस्तुत पत्र किसने तथा किसे लिखा?

(ख) पत्र कहाँ से लिखा गया है?

(ग) जयपुर को गुलाबी नगर क्यों कहते हैं?

(घ) जयपुर को किसने बसाया था?

(ङ) संग्रहालय में क्या-क्या वस्तुएँ रखी थीं?

(च) जयपुर के बाजारों की क्या विशेषताएँ हैं?

(छ) आमेर क्यों प्रसिद्ध है?

भाषा-ज्ञान

1. सही विकल्प पर (✓) का निशान लगाएँ–

(क) कौन-सा शब्द विशेषण है?

☐ पुस्तक ☐ गुलाबी ☐ दीवार

(ख) विशाल का विलोम है-

☐ चौड़ा ☐ ऊँचा ☐ लघु

2. गुलाबी नगर, लम्बा, ऊँची और चौड़ी, ये शब्द क्रमशः नगर, दरवाजे, पहाड़ियाँ और सड़कों की विशेषता बता रहे हैं। इन्हें विशेषण कहते हैं।

- इन संज्ञा शब्दों के साथ उचित विशेषण जोड़िए–

.... नगर	.... पुस्तक
.... दीवार	.... आभूषण
.... वस्त्र	.... महल

3. निम्न शब्दों के रूप एकवचन में लिखिए–

(क) सड़कें –	(ख) पहाड़ियाँ – ....
(ग) इमारतें –	(घ) चूड़ियाँ – ....
(ङ) दरवाजे –	(च) पीढ़ियाँ – ....

क्रियात्मक गतिविधि

- जयपुर के दर्शनीय स्थानों के चित्र इकट्ठे करके दिए गए स्थान पर लगाकर उनके नीचे उनके नाम भी लिखिए–

....	....	....
....	....	....